RAJYA SABHA

Wednesday, the 11*th June,* 2014/21*st Jyaishtha,* 1936 *(Saka)*

The House met at eleven of the clock,
MR. CHAIRMAN in the Chair.

PROCLAMATION UNDER ARTICLE 356 OF THE CONSTITUTION

MR. CHAIRMAN: Proclamation under Article 356 of the Constitution.

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के राज्य मंत्री; पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के राज्य मंत्री; तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री प्रकाश जावड़ेकर) : महोदय, मैं श्री राजनाथ सिंह जी की ओर से निम्नलिखित पत्रों की एक-एक प्रति (अंग्रेजी तथा हिन्दी में) सभा पटल पर रखता हूं:-

(i) Proclamation [G.S.R. 385(E)], issued by the President on the 6th June, 2014, under article 356 of the Constitution revoking the Proclamation issued by him on the 28th April, 2014, in relation to the State of Andhra Pradesh and varied by him on the 1st June, 2014, in relation to the successor State of Andhra Pradesh.

[Placed in Library. *See* No. L.T. 16/16/14]

(ii) Report* (in Hindi only) of the Governor of Andhra Pradesh, dated the 20th February, 2014 to the President recommending the issue of the Proclamation [G.S.R. 132 (E)].

[Placed in Library. *See* No. L.T. 04/16/14]

(iii) Report* (in Hindi only) of the Governor of Andhra Pradesh, dated the 15th April, 2014 to the President recommending the issue of the Proclamation [G.S.R. 298 (E)].

[Placed in Library. *See* No. L.T. 06/16/14]

(iv) Report* (in Hindi only) of the Governor of Andhra Pradesh, dated the 25th May, 2014 to the President recommending the issue of the Proclamation [G.S.R. 373(E)].

[Placed in Library. *See* No. L.T. 08/16/14]

---

*English version of the Report was laid on the Table on 10th June, 2014.

सुश्री मायावती (उत्तर प्रदेश) : माननीय सभापति जी...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : आप अभी जरा बैठ जाइए, अभी वे बोल रहे हैं।...**(व्यवधान)**...

सुश्री मायावती : उनसे पहले आप दो मिनट मुझे सुन लीजिए।...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : प्लीज़, आप एक मिनट बैठ जाइए।...**(व्यवधान)**... उन्होंने बोलना शुरू कर दिया है, आप पहले उनको बोल लेने दीजिए।...**(व्यवधान)**...

सुश्री मायावती : आपने जो कल की कार्यवाही में बीएसपी के सदस्यों को नेम किया है, यह कह कर कि उन्होंने कार्यवाही में बाधा डाली है...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : देखिए, मैं आपसे गुज़ारिश कर रहा हूं, आप बैठ जाइए...**(व्यवधान)**...

सुश्री मायावती : उत्तर प्रदेश का मामला जनहित का मामला था और हमारी पार्टी ने लिखित में नोटिस दिया था। यह एक अलग बात है कि आपने हमारा नोटिस स्वीकार नहीं किया। जब आपने हमारे नोटिस को स्वीकार नहीं किया तभी हमारी पार्टी के लोगों को अपनी बात को इस प्रकार से कहना पड़ा। इसके लिए आप हमारी पार्टी के सदस्यों को नेम करेंगे, यह गलत परम्परा है। भारतीय जनता पार्टी के लोग आज इधर बैठे हैं, लेकिन जब ये विपक्ष में थे...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : प्लीज़, आप बैठ जाइए।

सुश्री मायावती : उस समय जब नेम किया जाता था, तब तो बीजेपी के लोग कहते थे कि यह गलत परम्परा है। अब बीजेपी के लोग चुप क्यों हैं?...**(व्यवधान)**...

MR. CHAIRMAN: This is not going on record. ...*(Interruptions)*... आप बैठ जाइए, प्लीज़...**(व्यवधान)**...

सुश्री मायावती : *

श्री सतीश चन्द्र मिश्रा (उत्तर प्रदेश) : *

श्री सभापति : हाउस के प्रोसीजर में हंगामे की कोई गुंजाइश नहीं है, वैल में आने की कोई गुंजाइश नहीं है।...**(व्यवधान)**... आप बैठ जाइए...**(व्यवधान)**... प्लीज, आप बैठ जाइए।...**(व्यवधान)**... सतीश जी, प्लीज़, आप बैठ जाइए।...**(व्यवधान)**... देखिए, इसका एक तरीका होता है...**(व्यवधान)**... प्लीज़, मैं आपसे गुज़ारिश करता हूं, आप बैठ जाइए।...**(व्यवधान)**... Let the proceedings continue. ...*(Interruptions)*... देखिए, डिसरप्शन का हक़ किसी को नहीं है, डिसरप्शन का कोई रूल नहीं है...**(व्यवधान)**... आप ज़रा बैठ जाइए...**(व्यवधान)**... Please allow the House to proceed. ...*(Interruptions)*... Let me clarify please. ...*(Interruptions)*... यह प्रोसीडिंग्स का पार्ट है, उसे अगर किसी ने डिसरप्ट किया है तो वह प्रोसीडिंग्स में आता है...**(व्यवधान)**...

---

*Not recorded.

देखिए, क्या करना चाहिए था, क्या नहीं करना चाहिए था, वह अलग बात है...**(व्यवधान)**... This is not going on record. What is the point.. ...*(Interruptions)*...

सुश्री मायावती : *

श्री सतीश चन्द्र मिश्रा : *

MR. CHAIRMAN: I request you to... ...*(Interruptions)*... त्यागी जी, प्लीज़ आप बैठ जाइए ...**(व्यवधान)**... सतीश जी, प्लीज़ बैठ जाइए...**(व्यवधान)**... Thank you. ...*(Interruptions)*.... This is now the practice of the House... ...*(Interruptions)*... नहीं, वह ठीक है, but anybody coming to the Well has no right to come into the Well of the House. ...*(Interruptions)*... देखिए, आपको Rules of Procedure and Conduct मालूम है...**(व्यवधान)**... Please, please. ...*(Interruptions)*... क्या आप मुझे बोलने देंगे?...**(व्यवधान)**... मुझे एक मिनट बोलने दीजिए, प्लीज़ ...**(व्यवधान)**... Rules of Procedure and Conduct are made by the House. The Chair is bound to observe them. If the rules have to be changed, please move to change the rules. ...*(Interruptions)*... अगर आपको रूल्स चेंज करने हैं, तो आप मीटिंग बुलाइए और चेंज कर दीजिए...**(व्यवधान)**...

श्री सतीश चन्द्र मिश्रा : *

श्री सभापति : मैं आपको पिछले सैशन्स की प्रोसीडिंग्स दिखा दूंगा ...**(व्यवधान)**... Can we continue with the Business, please? ...*(Interruptions)*...

सुश्री मायावती : *

MR. CHAIRMAN: Can we please continue with the Business of the House? ...*(Interruptions)*... Please. ...*(Interruptions)*... I request a very senior Member, Leader of a Party, to please cooperate to allow the House to function. ...*(Interruptions)*... Please. ...*(Interruptions)*... One minute. The Leader of the Opposition wishes to speak.

विपक्ष के नेता (श्री गुलाम नबी आज़ाद) : माननीय चेयरमैन साहब, हमने डेढ़ साल में बहुत ** देखा है। पिछले डेढ़ साल में शायद ही कोई ऐसा लेजिस्लेशन होगा, जो उस वक्त की सरकार पास करना चाहती थी और वह आसानी से पास हुआ हो। या तो लेजिस्लेशन बड़ी मुश्किल से पास हुआ या हुआ ही नहीं।

मैं मानता हूं कि पार्लियामेंट रूल्स और रेगुलेशन्स से चलती है और उसका उल्लंघन करना बहुत खराब बात है। यह पार्लियामेंट्री डेमोक्रेसी के लिए भी अच्छा नहीं है। जो बात हम प्यार से, प्रेम से, विस्तार से कह सकते हैं, उसकी चर्चा अखबारों में भी होती है, टेलीविजन में भी होती है, लोगों तक पहुंचती भी है। लेकिन, जब हम वैल में आते हैं, तब एक तो अपनी बात

---

*Not recorded.

**Expunged as ordered by the Chair.

[श्री गुलाम नबी आज़ाद]

नहीं रख सकते हैं, दूसरा लोगों की बात नहीं रख सकते हैं। सदन का समय बर्बाद होता है, पैसा बर्बाद होता है और जो बात कहना चाहते हैं, वह भी लोगों तक पहुंच नहीं पाता है। चूंकि एक-डेढ़ साल से इन दोनों सदनों में बदकिस्मती से दुर्भाग्य से उस वक्त विपक्ष के जो दल थे, उन्होंने इस तरह की गलत परम्परा डाली। मुझे बहुत खुशी है कि यह एक नयी शुरुआत हुई है, लेकिन नयी शुरुआत से पहले मेरे ख्याल में एक दफा माननीय चेयरमैन साहब अगर आज सब को कॉशन करेंगे कि अपनी जगह से बात कर सकते हैं, अपनी बात रख सकते हैं, लेकिन यदि अगर दोबारा कोई इस तरह की हरकत की, वैल में आने की कोशिश की या अनरूली कोशिश की तो बख्शा नहीं जाएगा। चूंकि सबको मालूम है कि एक-डेढ़ साल से यह सिलसिला चलता आ रहा है, तब तो कुछ नहीं हुआ, तो अब अगर हम आज यह बगैर किसी वार्निंग के, बगैर किसी इत्तिला के करेंगे तो मेरे ख्याल में मैं सोचता हूं कि शायद जायज़ नहीं है। आज की दफा कह दें कि आइंदा नहीं होगा। अपोजिशन की तरफ से यह मेरी गुजारिश है।

श्री सभापति : शायद आपको मालूम हो कि पिछले सेशन में प्रोसीडिंग्स में यह चीज़ आई है, कई बार आई है और उसमें रिकॉर्डेड है। नेम नहीं किया गया है। 255 या 256 इन्वोक नहीं किया गया है।...**(व्यवधान)**...

सुश्री मायावती : सर, ...**(व्यवधान)**... बी.एस.पी. के लोगों को क्यों नेम किया गया?...**(व्यवधान)**... हमने जनहित का मामला उठाया था।...**(व्यवधान)**... लिखित में नोटिस दिया था।...**(व्यवधान)**... दिल्ली की बिजली का मामला है, पानी की यहां किल्लत है...**(व्यवधान)**... दिल्ली में जनता को बिजली उपलब्ध करवाना, पानी उपलब्ध करवाना सेंट्रल गवर्नमेंट की जिम्मेवारी है।...**(व्यवधान)**... जो जनहित के मामले थे।...**(व्यवधान)**... हमने उत्तर प्रदेश के लॉ एंड ऑर्डर का मामला उठाया। उस पर भी आपने समय नहीं दिया।...**(व्यवधान)**... हमारे लोगों को मजबूरी में वेल में आना पड़ा। आपको भी तो कोऑपरेट करना चाहिए। हम आपको कोऑपरेट करने के लिए तैयार हैं, लेकिन आप भी तो कोऑपरेट करें।...**(व्यवधान)**... जब जनहित के मामले को हम लोग उठा रहे हैं...**(व्यवधान)**... उत्तर प्रदेश में लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति को लेकर जनहित का मामला उठाया था।...**(व्यवधान)**... कल हमने उत्तर प्रदेश में लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति को लेकर जनहित का मामला उठाया था।...**(व्यवधान)**... बदायूं का मामला था, दादरी का मामला था और जब मैं यहां से घर पहुंची तो मालूम हुआ कि मुजफ्फरनगर में बीजेपी के एक नेता की हत्या हो गयी है।...**(व्यवधान)**... अब बीजेपी वाले क्यों चुप हैं, यह मैं नहीं कह सकती।...**(व्यवधान)**... दादरी में भी बीजेपी के एक नेता की हत्या कर दी गयी, लेकिन वे चुप हैं।...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : आप मेरी बात सुन लीजिए।...**(व्यवधान)**... देखिए, कल पूरा दिन डिबेट हुई और आपकी तरफ से, आपकी पार्टी की तरफ से सतीश चन्द्र मिश्रा जी ने पूरा भाषण दिया। ...**(व्यवधान)**...

सुश्री मायावती : सर, सेंट्रल गवर्नमेंट का जो एजेंडा है, उसके तहत वह तो एक जनरल डिस्कशन है।

श्री सभापति : नहीं, उनके भाषण पर कोई रुकावट नहीं है, किसी के भाषण में रुकावट नहीं है।

सुश्री मायावती : सर, हमने लिखित में नोटिस दिया था, रिक्वेस्ट किया था कि बीएसपी को उत्तर प्रदेश में लॉ एंड ऑर्डर के मामले को उठाने का मौका दिया जाए। इसके लिए रिक्वेस्ट किया था, लेकिन जब आपने समय नहीं दिया, तब हमारी पार्टी के मेम्बर्स को वैल में आना पड़ा।...**(व्यवधान)**... आप दो-तीन मिनट भी समय दे देते, तो हमारे लोग वैल में नहीं आते। लेकिन उसको लेकर उनको नेम कर देना कौन सी बात है? यानी, जनहित के मामले उठाना या उत्तर प्रदेश में लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति का मामला उठाना ठीक नहीं है? मान लीजिए कल मैं दिल्ली के अन्दर बिजली की हालत का मामला भी उठाना चाहूं, तब आप तो हमें बिल्कुल मौका ही नहीं देंगे, हमको बांध कर रखना चाहेंगे। यह तो अच्छी बात नहीं है। जो नियम बने हैं, वे किनके लिए हैं? पार्लियामेंट किसके लिए है, संसद किसके लिए है? यह जनहित के लिए है। यदि हम जनहित के मुद्दे नहीं उठा पाएंगे और आप हमें कोऑपरेट नहीं करेंगे, तो हम जनता को क्या जवाब देंगे?...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : अगर हाउस को रूल्स बदलने हैं तो हाउस रूल्स बदल सकता है।...**(व्यवधान)**...

सुश्री मायावती : बीएसपी के लोगों को आप नेम करते रहेंगे...**(व्यवधान)**...

MR. CHAIRMAN: One minute. ...*(Interruptions)*... One minute. ...*(Interruptions)*...

सुश्री मायावती : पिछली सरकार के समय क्या होता रहा?...**(व्यवधान)**... क्या आपने कभी उनको नेम किया?...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : ज़रा मंत्री जी को सुन लीजिए।...**(व्यवधान)**...

SHRI PRAKASH JAVADEKAR: Hon. Chairman, this issue has come up many times even earlier. But this thing is under clear discretion of the Chair. यह मामला सभापति जी के विवेकाधीन है। इसलिए, हम कहेंगे कि पिछली बार भी इसके बारे में आपने जो एक प्रक्रिया अपनायी थी, so, it is up to you to decide. आज पहली बार दूसरा दिन है, जब हम ज़ीरो ऑवर नहीं ले रहे हैं, अदरवाइज़ रोज ज़ीरो ऑवर, क्वेश्चन ऑवर और सब कुछ नियम से होगा ही। तो मुझे लगता है कि it is your discretion, Sir. But you have already shown due diligence even earlier on this issue and so it is up to you, Sir.

MR. CHAIRMAN: Can we now proceed with the Business? ...*(Interruptions)*... Please. I think the matter…

सुश्री मायावती : सर, यह कोई बात नहीं है कि क्वैश्चन ऑवर नहीं था, ज़ीरो ऑवर नहीं था। यह तो पहले स्पष्ट करना चाहिए था। आप यह सीधा बोल दीजिए कि क्वैश्चन ऑवर नहीं था, ज़ीरो ऑवर नहीं था, इसलिए उन्होंने जो मामला उठाया था...**(व्यवधान)**... अगर आप मेरी बात का समर्थन करने के लिए तैयार नहीं हैं, तो यह अलग चीज है, लेकिन इसको गोलमोल मत कीजिए, इसको स्पष्ट कीजिए।...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : एक मिनट जरा त्यागी जी की बात सुन लीजिए।...**(व्यवधान)**...

श्री ब्रजेश पाठक (उत्तर प्रदेश) : सर, आप इनका माइक ऑन करवा दीजिए, आपने त्यागी जी का माइक ऑन करवा दिया, आप इनका भी माइक दो मिनट के लिए ऑन करवा दीजिए। ...**(व्यवधान)**...

सुश्री मायावती : इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। मेरी बात को रिकॉर्ड पर न लें, लेकिन इसको मीडिया लोग भी तो देख रहे हैं। ये उनकी तो लाइट बंद नहीं कर देंगे, जो मीडिया के लोग इधर बैठे हुए हैं। आप उनके पैन तो नहीं बंद कर देंगे।...**(व्यवधान)**...

MR. CHAIRMAN: Can we proceed? देखिए, इस तरह से 15 मिनट जाया हो गए हैं, समय की कमी है। Please. ...*(Interruptions)*...

श्री के.सी. त्यागी (बिहार) : सर...**(व्यवधान)**...

सुश्री मायावती : सर, हमने कल जनहित का मामला उठाया था, यदि आप उसका समर्थन करते, तो मुझे अच्छा लगता। यूपी में रोज लोग मारे जा रहे हैं। महोदय, आप भी उत्तर प्रदेश से ताल्लुक रखते हैं, इसलिए कम से कम यह तो सोच लेते कि यूपी आबादी के हिसाब से बहुत बड़ा स्टेट है। वहां रोज लोग मारे जा रहे हैं, वहां बलात्कार की घटनाएं हो रही हैं। ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : इतने इल्जाम मुझ पर लगाए गए, बेगुनाही के अंदाज जाते रहे।...**(व्यवधान)**... त्यागी जी, आप अपनी बात जल्दी से कह दीजिए। We have a lot of Business.

श्री के.सी. त्यागी : सर, मैं अपनी बात एक मिनट में ही समाप्त कर दूंगा।

श्री सभापति : ठीक है।

श्री के.सी. त्यागी : सर, महामहिम राष्ट्रपति जी के अभिभाषण पर इस तरह के प्रश्न उठाने का रिवाज नहीं है, वह किताब मैं पढ़ कर आया हूं। लेकिन हमारे पुराने मित्र जो सिविल सोसाइटी के भी बड़े प्रसिद्ध लोगों में माने और गिने जाते हैं श्री अरुण जेटली जी, मैं उनके संज्ञान में एक पुरानी चीज लाना चाहता हूं।...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : आप कल बोल चुके हैं।

श्री के.सी. त्यागी : सर, यह उसके बारे में नहीं है, यह अलग चीज है।

श्री सभापति : देखिए, आप कल बोल चुके हैं, इसलिए अब आप दोबारा नहीं बोल सकते हैं।

श्री के.सी. त्यागी : सर, यह उससे अलग है।...**(व्यवधान)**...

सुश्री मायावती : सर, हमारी बात को पूरा हो जाने दीजिए।...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : त्यागी जी, आप कल अपना भाषण कर चुके हैं।

सुश्री मायावती : सर, यह जो हमारे मेम्बर्स को नेम किया गया है, मैं समझती हूं कि यह ठीक नहीं किया गया है, यह अच्छी बात नहीं है। कांग्रेस वाले भी इस संबंध में थोड़ा गोलमोल कर रहे हैं, उधर बीजेपी वाले भी गोलमोल कर रहे हैं।...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : देखिए, अब हाउस की यह established practice है, कल कोई नई चीज नहीं की गई है।

सुश्री मायावती : कांग्रेस वालों को सीधा बोलना चाहिए।...**(व्यवधान)**...

MR. CHAIRMAN: Please, can we proceed with the Business, hon. Members? ...*(Interruptions)*...

सुश्री मायावती : उधर बीजेपी वाले गोलमोल करें, तो यह अच्छी बात नहीं है।...**(व्यवधान)**...

MR. CHAIRMAN: Please.

सुश्री मायावती : सर, यह यूपी का मामला था और यह जनहित का मामला था। यहां सब कुछ पहले होता रहा है, लेकिन कल हमने यू.पी. का मामला उठाया, तो हमसे ही यह नई परंपरा लागू करनी थी? और मामले भी बहुत आएंगे।...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : देखिए, हम इस पर बात कर सकते हैं, मैं सतीश जी से बात कर लूंगा। Thank you.

सुश्री मायावती : सर, आप सतीश जी से बात क्यों कीजिएगा? आप मुझसे बात कीजिए न।...**(व्यवधान)**... आपको मुझसे बात करने में क्यों परेशानी हो रही है?...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : मैं ऑनरेबल पार्टी लीडर को ज्यादा कष्ट नहीं देना चाहता हूं।

सुश्री मायावती : सर, मैं भी आपको ज्यादा कष्ट नहीं देना चाहती हूं। मैं सिर्फ यह चाहती हूं कि कल जो कुछ हुआ है...**(व्यवधान)**... मैंने कल जनहित के मामले में यह मुद्दा उठाया था।...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : इस पर बातचीत कर लेंगे, चलिए।

सुश्री मायावती : सर, यह अच्छी बात नहीं है कि आपने हमारे मेम्बर्स को नेम कर दिया।...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : आपने अपनी बात कह ली। चलिए, Thank you very much.

सुश्री मायावती : सर, इस पर आपका क्या कहना है?...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : त्यागी जी, कृपया आप बैठ जाइए।

श्री के.सी. त्यागी : सर मुझे आधे मिनट का समय दिया जाए।

सुश्री मायावती : सर, आप इस पर कोई व्यवस्था दें। इस संबंध में हाउस को मालूम तो होना चाहिए।...**(व्यवधान)**...

MR. CHAIRMAN: What was done in the Bulletin of this morning has been done in previous Sessions of the House. It was not a new practice. Members are well aware of it. The Bulletins are on record. They can be consulted. Thank you.

श्री के.सी. त्यागी : सर, यह पुरानी परंपरा है...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : आप यह सवाल इस वक्त कैसे उठा रहे हैं?

श्री के.सी. त्यागी : सर...**(व्यवधान)**...

सुश्री मायावती : सर, आपने बुलेटिन वाली बात को रिपीट कर दिया है।...**(व्यवधान)**... सदन के जो नियम हैं, हम भी उन नियमों की रिस्पेक्ट करते हैं, लेकिन कभी-कभी जनहित के मामले होते हैं, तो उठाने पड़ते हैं। हमने इस संबंध में लिखित में नोटिस दिया है। यदि कल ज़ीरो ऑवर होता, तो हम लोग इस मामले को ज़ीरो ऑवर में ही उठाते।...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : देखिए, यह हाउस की प्रैक्टिस है कि जब...**(व्यवधान)**...

सुश्री मायावती : सर, जब कल ज़ीरो ऑवर था ही नहीं और आज भी ज़ीरो ऑवर नहीं है, तो हम इस मामले को कब उठाएंगे और आज हाउस खत्म हो जाएगा। आपको हमारी यह परेशानी तो देखनी चाहिए थी। यह उत्तर प्रदेश का मामला है, कल ज़ीरो ऑवर नहीं था और आज भी ज़ीरो ऑवर नहीं है, तो हम इस मामले को कब उठाएंगे?...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : देखिए, यह हाउस कभी भी खत्म नहीं होता है। यह perpetual है।

सुश्री मायावती : तो ठीक है।...**(व्यवधान)**... आप चाहते हैं कि बीएसपी का हमको सहयोग मिलना चाहिए, तो हम तो हमेशा आपको सहयोग देते हैं। हमने पिछली सरकार में भी आपको सहयोग दिया था और वर्तमान सरकार में भी हम आपको सहयोग देना चाहते हैं, लेकिन कम से कम यह तो देखना चाहिए कि कल ज़ीरो ऑवर नहीं था और आज भी ज़ीरो ऑवर नहीं है। यदि आज ज़ीरो ऑवर होता, तो हम अपनी बात ज़ीरो ऑवर में ही उठाते। अभी सत्ता पक्ष की ओर से वे मेरी बात से सहमत हैं, लेकिन वे मुश्किल में हैं, क्योंकि उनको आपका सहयोग चाहिए, मदद चाहिए, इसलिए वे गोलमोल कर गए हैं।...**(व्यवधान)**... क्योंकि उनको मालूम है कि आपकी मदद चाहिए। वे बोल नहीं रहे हैं, जबकि वे विपक्ष में बैठकर सब कुछ कहते थे। यह तो अच्छी बात नहीं है।...**(व्यवधान)**...

MR. CHAIRMAN: Please, now can we continue? ...*(Interruptions)*... I request you. ...*(Interruptions)*... Let us continue. ...*(Interruptions)*... Papers to be laid on the Table. ...*(Interruptions)*...

PAPERS LAID ON THE TABLE

I. Notification of Ministry of Health and Family Welfare

II. Report and Accounts (2012-13) of AIIMS, New Delhi and related papers

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (DR. HARSH VARDHAN): Sir, I lay on the Table:—